(ईश्वर के सेवकों और प्रचारकों के लिए विशेष संदेश)

ईश्वर के प्रचारक या सेवक के रूप में, संसार से प्रेम मत करो और ईश्वर की आवाज़ से मत भागो।

1. लोगों के लिए मछली पकड़ने का बुलावा

प्रभु यीशु ने पतरस से कहा:

लूका 5:10 – “और यीशु ने सिमोन से कहा, ‘डर मत; अब से तुम मनुष्यों को पकड़ोगे।’”

यहाँ प्रभु यीशु “लोगों” की तुलना मछलियों से करते हैं और “संसार” की तुलना समुद्र से।

सभी सुसमाचार में यह रूपक लगातार दिखाई देता है, जहाँ सुसमाचार के कार्य को अक्सर मछली पकड़ने के समान बताया गया है।

प्रभु ने इसे जाल की दृष्टांत में भी स्पष्ट किया:

मत्ती 13:47–49 – “फिर स्वर्ग का राज्य उस जाल के समान है, जो समुद्र में फेंका गया और जिसमें हर प्रकार की मछलियाँ पकड़ ली गईं। जब जाल भर गया, तो लोग उसे किनारे खींच लाए और अच्छे को बर्तन में रख लिया, और बुरे को फेंक दिया। वैसे ही युग के अंत में भी होगा। स्वर्गदूत आएंगे और दुष्टों को धर्मियों से अलग करेंगे।”

यदि मछलियाँ संसार में रहने वाले लोग हैं, तो प्रभु यीशु का सुसमाचार वह जाल है। मसीह ने हमें बुलाया है कि हम लोगों को उद्धार के संदेश के माध्यम से संसार से बाहर खींचें, न कि खुद संसार में फंसें।

मछलियाँ (संसारी प्रभाव या लोग) हमें समुद्र में खींचने का काम नहीं करतीं; बल्कि हमें उनका मार्गदर्शन कर उन्हें परमेश्वर के राज्य में लाना है।

2. क्या प्रचारक मछली द्वारा पकड़ा जा सकता है?

आप पूछ सकते हैं: क्या ईश्वर का सेवक मछली द्वारा पकड़ा जा सकता है?
उत्तर है – हाँ।

योनाह की कहानी याद करें। जब वह प्रभु की आवाज़ से भागा, तो क्या हुआ?

योनाह 1:17 – “और प्रभु ने एक बड़ी मछली नियुक्त की जो योनाह को निगल ले। और योनाह मछली के पेट में तीन दिन और तीन रात रहा।”

योनाह की अवज्ञा उसे अंधकार, अलगाव और संकट में डालने वाली मछली के पेट में ले गई।

इसी तरह, यदि कोई प्रचारक या ईश्वर का सेवक प्रभु के बुलावे से भागता है और सांसारिक इच्छाओं का पालन करता है, तो वह संसार में फँस जाएगा – उसकी व्यवस्थाओं, व्याकुलताओं या दंडों में।

मछली का पेट प्रतीक हो सकता है:

आध्यात्मिक शुष्कता
दृष्टि की हानि
सांसारिक उलझनें
सांसारिक शक्तियों द्वारा उत्पीड़न

ऐसा व्यक्ति अक्सर उन शक्तिशाली और निर्दयी लोगों या प्रणालियों के अधीन हो जाता है जिनको उनके बुलावे या आध्यात्मिक जीवन की कोई परवाह नहीं।

3. योनाह का मार्ग मत अपनाओ

योनाह समुद्र की ओर गया ताकि वह ईश्वर से भाग सके, प्रचार करने के लिए नहीं।

योनाह 1:3 – “लेकिन योनाह उठकर तार्शिश भाग गया प्रभु के सम्मुख से। वह याफ़ा गया और वहाँ से एक जहाज पाया जो तार्शिश जा रहा था।”

अंततः वह तूफान में फँस गया और मछली के पेट में पहुँच गया।

प्रिय प्रचारक: जब तक ईश्वर आपको न भेजे, संसार में मत जाओ। यदि जाना ही पड़े, तो वह केवल सुसमाचार प्रचार के लिए हो, व्यक्तिगत लाभ, महत्वाकांक्षा या भागने के लिए नहीं।

संसार (समुद्र) खतरनाक है। इसमें प्रलोभन की लहरें, विरोध के तूफान और गहराई है जो आपके बुलावे को डुबा सकती है।

1 यूहन्ना 2:15 – “संसार और उसमें की वस्तुओं से प्रेम मत करो। जो कोई संसार से प्रेम करता है, उसमें पिता का प्रेम नहीं है।”

मनुष्यों के मछुआरे बनो, मछली तुम्हें न पकड़ ले

याकूब 4:4 – “…क्या तुम नहीं जानते कि संसार के साथ मित्रता रखना परमेश्वर के विरोध के समान है? इसलिए जो कोई संसार का मित्र बनना चाहता है वह स्वयं परमेश्वर का शत्रु बनता है।”

4. वचन का प्रचार करो और विश्वासयोग्य रहो

क्या आप प्रचारक हैं? ईश्वर का सेवक हैं?

तो उनकी आवाज़ सुनो, दृढ़ रहो, और समय पर और समय के बाहर वचन का प्रचार करो।

2 तिमुथियुस 4:2 – “वचन का प्रचार करो; समय पर और समय के बाहर तैयार रहो; उपदेश दो, कोस दो, प्रोत्साहित करो, पूरी धैर्यता और शिक्षण के साथ।”

जब तक प्रभु आपको न भेजे, समुद्र (संसार) की ओर मत बढ़ो। यदि भेजे, तो उसके वचन, संदेश और अधिकार के साथ जाओ। अपने मार्ग पर जाने से तूफान और परिणामों के पेट में फँसने का खतरा है।

हम मनुष्यों के मछुआरे बनें, मछलियों द्वारा पकड़े जाने वाले नहीं।
हम लोगों को अंधकार से उसकी अद्भुत रोशनी में लाएँ, न कि खुद

अंधकार में खिंच जाएँ।

ईश्वर हम सभी की मदद करें कि हम उसकी आवाज़ के प्रति वफादार रहें, उसके बुलावे का पालन करें और उसके मार्ग पर चलें।

रोमियों 10:14–15 – “फिर वे किसे पुकारेंगे, जिसमें उन्होंने विश्वास नहीं किया? और वे किस पर विश्वास करेंगे, जिसके बारे में उन्होंने कभी नहीं सुना? और वे कैसे सुनेंगे, जब कोई उन्हें प्रचार न करे? और किसे प्रचारित किया जाएगा, जब तक कि उन्हें न भेजा जाए?”

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp